कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का अध्यापक मनोविज्ञान पर प्रभाव

श्री बालमुकन्द कस्वां, सह. आचार्य, एम.जे. कुम्हेरिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रावला मण्डी

शोध साराशं

AI अध्यापकों को केवल शिक्षण के क्षेत्र में मदद नहीं करता, बलकि उनके मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, और पेशेवर संतुषटि को भी बढ़ावा देता है। सही उपयोग के साथ, AI एक महत्वपूर्ण सहायक बन सकता है, जो शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाता है। शिक्षण प्रक्रिया में AI का उपयोग सहायक के रूप में किया जाए, लेकिन निर्णय लेने और छात्रों के साथ संवाद में मानवीय भूमिका प्रमुख रहे। अध्यापकों को विश्वास दिलाया जाए कि AI उनकी भूमिका को समाप्त नहीं करेगा, बलकि इसे सशक्त बनाएगा। AI के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए तकनीकी शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य समर्थन, और मानव और AI के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है। अध्यापकों को सशक्त बनाना और उनके अनुभव को प्राथमिकता देना इस दिशा में सहायक हो सकता है। AI के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए तकनीकी शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य समर्थन, और मानव और AI के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है। अध्यापकों को सशक्त बनाना और उनके अनुभव को प्राथमिकता देना इस दिशा में सहायक हो सकता है। AI द्वारा स्वचालित प्रक्रियाओं (जैसे ग्रेडिंग, पाठ योजना) से अध्यापकों को यह चिंता हो सकती है कि भविष्य में उनकी भूमिका कम हो जाएगी। यह उनके आत्मविश्वास और मानसिक शांति पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।